जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 43 संख्याः 176 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 20 जनवरी, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रू.

जनवरी के महीने में दुनिया के कई भागों में बर्फ गिरती है लेकिन हाल ही में सहारा रेगिस्तान में गिरी बर्फ ने एक बार फिर लोगों को चौंका दिया है। उत्तर पश्चिम अल्जीरिया का एन सैफ्रा शहर तो सोमवार को हिमपात के कारण बर्फ से ढक गया और तापमान माइनस दो डिग्री हो गया। बियालिस सालों में यह पांचवां अवसर है जब इस शहर में बर्फ गिरी है। एन सैफ्रा, जिसे ''गेटवे टु द डैज़र्ट'' भी कहते हैं, समुद्र के स्तर से 1000 मीटर ऊपर है तथा एटलस की पहाड़ियों से घिरा है। उत्तरी अफ्रीका का अधिकांश भाग सहारा रेगिस्तान के दायरे में आता है। गत 500 वर्षों में इस क्षेत्र के तापमान और नमी के स्तर में कई बार बदलाव हुआ है और संभवतया एक बार फिर यह क्षेत्र ऐसे ही किसी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा प्रतीत होता है। इस माह के आरंभ में सऊदी अरेबिया के उत्तर पश्चिमी शहर तबुक में भी बारिश और हिमपात हुआ था तथा जबाल अल लाज़ पहाड़ी का शिखर पूरी तरह से बर्फ से ढक गया था।

ओ.बी.सी. नेताओं के पलायन का सामना करने के लिये अन्य राज्यों से ओ.बी.सी. नेता आयातित होंगे

भाजपा यू.पी. में चुनाव प्रचार के लिये मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मु.मंत्री उमा भारती, केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को बुलायेगी

- भाजपा बिहार, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखण्ड के ओ.बी.सी. व दलित समाज के नेताओं को भी लायेगी यू.पी. में चुनाव प्रचार के लिये।
- पार्टी यू.पी. के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का सघन चुनाव प्रचार कार्यक्रम बना रही है यू.पी. में।
- अपना दल की अनुप्रिया व निषाद समाज के संजय निषाद भी चुनाव प्रचार में झोंके जायेंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्य और दारा सिंह चव्हाण सहित ओ.बी.सी. वर्ग के दर्जनों मंत्रियों और विधायकों के पार्टी छोड़ने की क्षतिपूर्ति करने के लिए एक डैमेज कंट्रोल के तहत ओ.बी.सी. वर्ग के प्रमुख चेहरों को चुनाव प्रचार के लिए अन्य राज्यों से बुला रही है।

जिन नेताओं को उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए बुलाया गया है, उनमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी पूर्ववर्ती उमा भारती शामिल हैं। मध्य प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखण्ड के प्रमुख ओ.बी.सी. व दलित नेताओं को भी उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार में बुलाने जा रही है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि पार्टी इस माह की शुरुआत से ही भाजपा छोड़कर गए कई ओ.बी.सी. नेताओं की कमी की पूर्ति करने की कोशिश कर रही है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जो भाजपा में ओ.बी.सी. के प्रमुख नेता हैं, अपने स्वयं के चुनाव क्षेत्र पर ध्यान देने के अतिरिक्त पूरे राज्य को भी अपना समय देंगे। अन्य ओ.बी.सी. नेता जो गत वर्ष हुये विस्तार में सरकार में लिये गये थे, भी पूरे राज्य में प्रचार करेंगे। इनमें पंकज चौधरी, बी.एल. वर्मा तथा अपना दल की अनुप्रिया पटेल शामिल हैं। निषाद पार्टी के संजय निषाद भी अपने समुदाय के मतदाताओं को लामबंद करेंगे।

भाजपा की योजना रविवार से व्यापक स्तर पर प्रचार-अभियान शुरू करने की है जिसके अन्तर्गत, सभी वरिष्ठ नेतागण प्रत्येक जिले में भेजे जायेंगे। पार्टी सूत्रों ने कहा कि प्रत्येक जिले के दौरे के प्रचार अभियान को अंतिम रूप देने वालों में गृह मंत्री अमित शाह तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल थे।

करोना वायरस, चेचक की भांति गायब नहीं होगा

वाइट हाउस के स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. एंथनी फाउची ने कहा, अब तक मानव जाति केवल एक संक्रामक वायरस, चेचक को ही सदा के लिये हरा पायी है, पर करोना वायरस के साथ ऐसा होता नहीं दिखता

- डब्ल्यु.एच.ओ. के प्रमुख गेब्रिएसस ने भी डॉ. फाउची के विचारों का समर्थन किया कि, करोना वायरस का खतरा अभी बरकरार है, शायद कभी खत्म नहीं होगा।
- डॉ. फाउची का यह भी कहना है कि, दुनिया के वैज्ञानिक अभी कुछ नहीं कह सकते कि, करोना वायरस का भविष्य क्या होगा और हमें करोना वायरस के बारे में अज्ञानता को स्वीकार करना चाहिये।
- वैक्सिनेशन, ओमक्रॉन के इलाज के रूप में उतना सफल न हो जितना कि करोना वायरस के मामले में हुआ था, पर वैक्सिनेशन गंभीर बीमारी और अन्ततोगत्वा मृत्यु को रोकने में जरूर कामयाब होता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। वर्ल्ड हैल्थ ऑगनाइजेशन (डब्ल्यु.एच.ओ.) महानिदेशक टैड्रॉस एदानॉम गैब्रेसस का कहना है: लगता है कि कुछ देशों में कोविड-19 के केस पीक पर पहुंच गए हैं, जिससे यह उम्मीद बंधी है कि संक्रमण की इस नवीनतम लहर का सबसे बुरा समय गुजर चुका है, लेकिन कोई भी देश अभी इसकी अनिश्चितताओं से बाहर नहीं निकला है।''

वाइट हाऊस के शीर्ष मैडिकल सलाहकार डॉ. एंटनी फाउची कहते हैं कि ''करोना वायरस की वैश्विक महामारी का खात्मा इस वायरस के उन्मूलन से नहीं होगा। इसके बजाए इस वायरस का अपेक्षाकृत एक कम विध्वंसकारी एवं खतरनाक स्ट्रेन किसी क्षेत्र विशेष को अपनी गिरफ्त में लेगा।''

टैड्रोस कहते हैं कि ''ओमक्रॉन औसतन एक कम खतरनाक वायरस है, लेकिन इसके संक्रमण से होने वाली बीमारी को साधारण मानने की धारणा भ्रामक और इसकी गंभीर प्रकृति का अंदाजा ना लगाने वाली हो सकती है तथा ऐसा मानने से और लोगों की जाने जा सकती हैं।''

फाउची कहते हैं कि ''यदि आप संक्रामक रोगों के इतिहास पर गौर करें तो हमने अब तक मनुष्य के एक ही संक्रामक रोग का खात्मा किया है और वह है स्मॉल पॉक्स। ऐसा इस वायरस के साथ नहीं होने वाला है।''

यह उन हस्तियों के विचार हैं जो वैज्ञानिक ज्ञान और विशेषज्ञता के आधार पर बात करते हैं।

अतः ऐसे अनगिनत लोग, जो यह मानते हैं कि ओमक्रॉन हमें लापरवाही बरतने की अनुमति देता है, वे सावधान हो जाएं!

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दावोस एजेण्डा में बोलते हुए डॉ. फाउची ने इस पर जोर दिया कि वैज्ञानिक यह नहीं जानते कि वास्तव में यह वैश्विक महामारी कब समाप्त होगी और इसकी गंभीरता के प्रति सावचेत होना महत्वपूर्ण है।'' तथापि किसी क्षेत्र विशेष

(शेष पृष्ठ 7पर)

भाजपा के स्टार प्रचारक

- पार्टी द्वारा यू.पी. चुनाव के प्रथम चरण में स्टार प्रचारकों की सूची में टेनी, मेनका व वरूण गांधी का नाम नहीं।

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के प्रथम चरण के लिए यहाँ बुधवार को जारी की गई 30 स्टार प्रचारकों की सूची में विवादित केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी तथा उनके सांसद पुत्र वरूण गांधी के नाम शामिल नहीं हैं। ज्ञातव्य है कि टेनी के पुत्र ने अक्टूबर में लखीमपुर खीरी में कथित रूप से कुछ किसानों को अपनी कार से कुचल दिया था तथा वे इस समय वह जेल में है तथा वरूण गांधी किसानों के समर्थन में मुखर रहे थे।

स्टार प्रचारकों की इस सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा तथा मुख्यमंत्री योगी के अलावा केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, स्मृति ईरानी, मुख्तार अब्बास नकवी, राधा मोहन सिंह,

(शेष पृष्ठ 7पर)

राजस्थान हाई कोर्ट का फैसला: भेदभाव नहीं किया जा सकता

बेटी भी अनुकंपा नौकरी की हकदार है

- हाई कोर्ट जज पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने कहा, अब यह सोच बदलने का समय आ गया है कि, शादीशुदा बेटी अपने पिता के बजाय पति के घर की जिम्मेदारी है। शादीशुदा बेटे व बेटी में भेदभाव नहीं किया जा सकता।
- जज भाटी ने कहा कि, बूढ़े माता-पिता की जिम्मेदारी बेटे व बेटी की एक समान ही होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वो शादीशुदा है या नहीं। ऐसे में पिता के स्थान पर मृतक का आश्रित मान नौकरी देने में भी भेदभाव नहीं किया जा सकता।

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। पिता की मौत के बाद शादीशुदा बेटी को नौकरी देने के मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट जज पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने अपने फैसले में कहा कि अब यह सोच बदलने का समय आ गया है कि शादीशुदा बेटी अपने पिता के बजाय पति के घर की जिम्मेदारी है। शादीशुदा बेटे व बेटी में भेदभाव नहीं किया जा सकता है। दरअसल, जैसलमेर निवासी शोभादेवी ने एक याचिका दायर कर कहा था कि उसके पिता गणपत सिंह जोधपुर डिस्कॉम में लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे। 5 नवम्बर 2016 को गणपत सिंह का निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी शांतिदेवी व पुत्री शोभा

(शेष पृष्ठ 7पर)

ममता का यू.पी. अभियान फ्लॉप?

- फ्लॉप होने का कारण, अखिलेश व ममता की रीति-नीतियों में सामंजस्य नहीं बैठना।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। क्या उत्तर प्रदेश की राजनीति में ममता बनर्जी की सक्रियता भारी पड़ेगी तथा क्या इससे उत्तर प्रदेश में किसी उम्मीदवार की संभावनाएं बाधित हो सकेंगी। ममता बनर्जी के धुर-विरोधी शुभेन्दु अधिकारी तो कम से कम यही सोचते हैं।

अधिकारी ने उत्तर प्रदेश के संदर्भ में एक मजबूत मुद्दा उछाला है तथा कहा है कि आम धारणा यह है कि वे ''सनातनियों'' के खिलाफ हैं तथा केवल कट्टर साम्प्रदायिकता में विश्वास रखती हैं। यह चीज अखिलेश यादव की सोच के खिलाफ पड़ती है, जो उत्तर प्रदेश में सभी लोगों को अपने साथ लेकर चलने की छवि को प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रथम दृष्टया, उनके अनुभव को भी कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है। जहाँ ममता बनर्जी ने अपना रुतबा बढ़ाने के लिये अन्य पार्टियों से अलग हुये गुटों को फुसलाने तथा उन्हें प्रलोभन देने का रास्ता चुना था, जबकि अखिलेश यादव इसका ठीक उल्टा कर रहे हैं।

बाहर आ रही जानकारियों के अनुसार, दूसरी पार्टियों से सपा में शामिल होने वालों को पार्टी-टिकट देकर भी उपकृत नहीं किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने चुनावाधीन राज्यों में अपनी हैसियत बढ़ाने के लिये, कांग्रेस

(शेष पृष्ठ 7पर)

अब अखिलेश ने भी सौगातों की बारिश की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को ट्वीट किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो उनकी पूर्ववर्ती सरकार के दौरान, गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के लिये स्वीकृत की गई 6000 रू. प्रतिवर्ष की पेंशन को तीन गुना अर्थात 18000 रू. वार्षिक कर दिया जायेगा।

- उन्होंने ट्वीट करके पैंशन तिगुनी करने तथा 300 यूनिट बिजली ''फ्री'' देने का वादा किया।

इसका अर्थ यह हुआ कि उनकी सरकार बनने पर इन महिलाओं के बैंक खातों में 1500 रू. प्रति माह जाना शुरू हो जायेंगे।

एक दिन पूर्व, यानी मंगलवार को उन्होंने प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा की थी। यादव ने ट्वीट करके सभी परिवारों से कहा था कि वे अपने नाम दर्ज करा दें।

उन्होंने सरकार बनाने के लिये सपा को खुला समर्थन देने का भी आव्हान किया था।

यू.पी. चुनाव प्रचार में पहुंचे सचिन पायलट

''किसानों को कुचलने वाले किस मुंह से समर्थन मांगेंगे,'' पायलट ने बनारस में आयोजित प्रैस कॉन्फ्रैंस में भाजपा पर कटाक्ष किया

- पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, कि यू.पी. पुलिस और यू.पी. सरकार कानून के दायरे से बाहर जाकर काम करती है। यहां के सी.एम. हिन्दू-मुस्लिम की बात करते हैं और 80 बनाम 20 की बात कहकर लोगों को बांटने वाले बयान देते हैं।
- यू.पी. चुनाव में कांग्रेस की सीटों के सवाल पर पायलट ने कहा कि नतीजे चौंकाने वाले होंगे।

वाराणसी, 19 जनवरी । यूपी चुनाव प्रचार में पहुंचे राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने किसानों के मुद्दों पर केंद्र और यूपी सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि बीजेपी राज में किसानों की आमदनी तो दोगुनी नहीं हुई लेकिन अन्नदाता का दर्द सौ गुना हो गया। अन्नदाता के साथ जिस तरह अत्याचार किया गया और उनके मान सम्मान को जिस तरह से ठेस पहुंचाई गई, उसका जवाब भाजपा को देना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि आशंका इस बात की है कि चुनाव जैसे ही खत्म होंगे, केंद्र सरकार बैकडोर से कृषि कानून लागू करने का प्रयास करेगी।

मीडिया से बात करते हुए पायलट ने कहा कि ''देश में किसान कर्ज में डूबा है।

खाद-बीज की लागत बढ़ गई है। वो लोग जो यह कहते थे कि किसान की आय दोगुनी करेंगे, उन्होंने उसका उल्टा किया।

केंद्रीय मंत्री के बेटे ने किसानों को कुचल दिया, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। किसानों को दबाने और उन्हें कुचलने का काम करेंगे तो किस मुंह से उनसे समर्थन की मांग करेंगे।''

उन्होंने कहा कि योगी सरकार को पांच साल और केंद्र सरकार को सात साल हो गए।

इन्होंने जिस भी तबके को विश्वास में लेकर उसके वोट लिए, वह हर तबका आज ठगा सा महसूस कर रहा है।

किसी वर्ग को राहत नहीं दी। बीजेपी सरकार ने चंद नजदीकी लोगों के लाखों करोड़ के कर्ज माफ कर दिए, लेकिन किसानों को राहत नहीं दी गईं। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी पुलिस और यूपी सरकार कानून के दायरे से बाहर जाकर काम करते हैं । यहां के सीएम हिंदू-मुस्लिम की बात करते हैं और 80 बनाम 20 की बात कहकर लोगों को बांटने वाले बयान देते हैं।

यूपी चुनाव में कांग्रेस की सीटों के सवाल पर पायलट ने कहा कि नतीजे चौंकाने वाले होंगे।

'विधायकों का छः माह से ज्यादा निष्कासन उचित नहीं'

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र के उन एक दर्जन विधायकों के एक वर्ष के निलम्बन के प्रकरण में अपने फैसले को सुरक्षित रख लिया है, जिन पर कथित रूप से प्रीसाइडिंग ऑफिसर के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप हैं। अदालत ने पार्टियों से कहा है कि वे एक सप्ताह के अन्दर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करें।

- सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा में 12 भाजपा विधायकों को साल भर के लिये निष्कासित करने पर निर्णय सुरक्षित किया, पर टिप्पणी से मानस स्पष्ट किया।

अधिकांश विधायकों की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि एक वर्ष का निलम्बन घोर अतार्किक हैं, जबकि एक विधायक की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने दलील दी कि निलम्बन तो निष्कासन से भी ज्यादा बुरा है क्योंकि इससे तो निर्वाचकों के अधिकार प्रभावित होते हैं।

मंगलवार को हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति ए.एम.

(शेष पृष्ठ 7पर)